INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs.500

भारत

पाँच सौ रुपया FIVE HUNDRED RUPEES

मनोकि हुकुम चन्द मलहोत्रा पुत्र श्री मोहन लाल मलहोत्रा निवासी मकान नम्बर १६२ दीनदासपुर लोको मोटीन रोड लहरतारा शहर वाराणसी का हूँ।

मैं आराजियात उपरोक्ता जैल लिखित अधिकारी मिलकियत की है जो चारो तरफ चहार दीवारी से घिरी हुई है उसमें दूसरा कोई व्यक्ति शरीक व सहीम व हिस्सेदार नही है मिनमुकिर अपने बड़े लड़के नितिन मलहोत्रा को बहुत ही प्यार करता है और उसके आज्ञाकारिता से बहुत ही प्रसन्न रहता है इस कारण मिनमुकिर की दिली इच्छा है कि आराजियात उपरोक्त जैल का बखशीशनामा अपने बड़े लड़के नितिन मलहोत्रा के हक में लिखकर जिससे अपने जीवन —

Hukam Chand Malhotra Son Mohan Malhotra

श्री [illegible]

7/3/72

18 [illegible] 180 रु०

1910 700 2025 1935

श्री हुकुमचन्द मलहोत्रा पुत्र श्री [illegible] मलहोत्रा

[illegible] शिवपुर

[illegible] जिला वाराणसी

[illegible]

दिनांक 7 माह 3 सन् 1972 ई०

समय 1.2 बजे के मध्य दिन में [illegible]

[illegible] कबूल किया।

7.3.72

[illegible] के लिखने व सम्पादन को [illegible]

Hukam Chand Malhotra

[illegible] की शिनाख्त [illegible]

[illegible] हुकुमचन्द मलहोत्रा

[illegible]

[illegible] जिला वाराणसी [illegible]

7.3.72

Hukam Chand Malhotra

[illegible] विन्ध्यवासिनी उपाध्याय

[illegible] के हस्ताक्षर [illegible] लिए गए हैं।

[illegible]

7.3.72

Hukam chand Malhotra

काल में आराजियात मुतनाजा जैल का मालिक व काबिज चला हूँ और उपरोक्त नितिन मल्होत्रा भी आराजियात मुतनाजा जैल का बयनामा अपने हक में लिखाने के लिये स्वीकार किये, इस कारण मिनमुक्की ने आराजियात मुतनाजा जैल का बयनामा व बिक्री व रजामन्दी व खुशी होश व हवास बिला किसी दबाव नाजायज के बहक नितिन मल्होत्रा पुत्र हुकुमचन्द मल्होत्रा निवासी मकान नम्बर १६२ मौजा शिवदासपुर लोको मोटिव रोड लहरतारा शहर वाराणसी लिख करके अपने को व अपने वारिसान व कायम-मुकामान को पाबन्द शर्तें जैल का करते हैं:-

१- यहकि आराजियात मुतनाजा जैल पर आज की तारीख से उपरोक्त नितिन मल्होत्रा का कब्जा दाखल बाकई करा दिया।

२- यहकि उपरोक्त नितिन मल्होत्रा को हक हासिल है कि वह आराजियात मुतनाजा जैल पर से मिनमुक्की का नाम-

017

श्री [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] मा. [illegible] राय

INDIA NON JUDICIAL

१५० रु. Rs 150

भारत

एक सौ पचास रुपया ONE HUNDRED & FIFTY RUPEES

खारिज दाखिल कर अपना नाम दर्ज कागजात सरकारी करा लें, इसमें मिनजानिब को कोई उज्र या एतराज नहीं है न आइन्दा होगा। ३- यह कि जायदाद मौसूफा मुन्दर्जा मुफस्सला जैल मिल्कियत खालिसी तन्हा मिनजानिब की है और उसको मिनजानिब ने अपनी कमाई से हासिल किया है उसमें कोई दूसरा व्यक्ति शरीक सहीम व हिस्सेदार नहीं है। ४- यह कि आराजियात मौसूफा मुन्दर्जा मुफस्सला जैल हर किस्म के बार देन से पाक व साफ तमाम ने विलौन्स है व पाक साफ बयनामा की गई है। ५- यह कि उपरोक्त निर्तन मलहान्ना को हक हासिल है कि वे आराजियात मौसूफा को जिस तरीके पर चाहें इस्तेमाल करें या उसमें मकान बनवायें या कारखाना स्थापित करें या रेहन बै करें, इसमें मिनजानिब व्याह वारिसान व कायम मुकामान मिनजानिब को कोई उज्र न है और न आइन्दा होगा। ६- यह कि आराजियात मुफस्सला जैल की कीमत मुबलिग [illegible] हजार रुपया से कम है और आराजियात मुफस्सला जैल के [illegible]

Hukam Chand Mahesh

[illegible]

श्री [illegible] ग्रा. [illegible]

7/3/12

Hukam Chand Malviya

कीमत जमीन इस वक्त मुबलिग सोलह हजार रुपया प्रति एकड़ वाजिब
रही है। उ-पट्टेदार मिनजानी ने कुल मजमून नावलिज नामा को ख़ुद
पढ़ व पढ़वा कर तथा सुन व समझ कर यह बयनामा नावलिज नामा लिख दिया
कि वक्त पर काम आवे व प्रमाण रहे। तफसील आराजी [illegible]
मौजा शिवदासपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी। मिनजुमला
आराजी नम्बर 190/.19 एक सौ नब्बे रकबा [illegible] डिसमिल व मिनजुमला
आराजी नम्बर 195/.52 एक सौ पंचानबे रकबा बावन डिसमिल
2 आराजी/1.07 डि० लगानी 4-62 पैसा सालाना हदूद चौहद्दी जैल —
पर दस्त जमीन देखा गया
पूरब- सड़क सरकारी पश्चिम - आराजी विश्वनाथ व सद, उत्तर—
जमीन मिनजानी दक्षिण - जमीन [illegible]।
लेखक- देवनन्दन लाल [illegible] दीवानी कचहरी वाराणसी -
तारीख तहरीर 6-3-62 ई० नोट- पृष्ठ चार के सतर एक से
[illegible] मत करा है। वा.का. नोट- पृष्ठ चार के सतर नौ के ऊपर, का
[illegible] जमीन देखा गया लिखा है जो सही है। वा.का.
Hukam Chand Malviya

०१२१

श्री [illegible] मतमोला [illegible] द्वारा [illegible] पा. देवनन्दन राम

C H 7/3/82

बही नं. १ जिल्द ५५४१ के पृष्ठ ३४८/३४९ में नं. १९७५ पर आज दि. १२ अप्रैल सन १९८२ को रजिस्ट्री की गई।